चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..दैनिक भास्कर.....

दिनांक ..08-10-2020..पृष्ठ संख्या..07.....कॉलम..1-2.....

मशरूम विषय पर एचएयू में चल रहे वेबिनार में रखे विचार

कम लागत में अधिक मुनाफा देता है मशरूम : प्रोफेसर समर सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम रूपयों से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व एमएचयू, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए।

वे एमएचयू करनाल के क्षेत्रीय खुम्ब अनुसंधान केन्द्र मुरथल की ओर से राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण खुम्ब उत्पादन, प्रोसेसिंग व विपणन को लेकर आयोजित किया गया। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का समाधान भी वैज्ञानिकों से प्राप्त करें।

मशरूम को टेबल फूड बनाने की जरूरत : प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मशरूम खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है व पोषण से भरपूर है। इसलिए मौजूदा समय में मशरूम को एक टेबल फूड बनाने की जरूरत है, ताकि घर-घर तक इसका उपयोग हो सके। इसके अनेक प्रकार के व्यंजन व इसको परिक्षित भी किया जा सकता है। हमारे देश में अभी इसका उपयोग प्रति व्यक्ति बहुत ही कम है, जबकि नीदरलैंड व चीन में इसका उपयोग बहुत ज्यादा है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे वर्तमान समय में विकसित नई प्रजातियों की जानकारी हासिल कर इस क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करें।

फसल अवशेष का करें उचित प्रबंधन : डॉ. विजय

एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने फसल अवशेष का उचित प्रबंध करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। पराली को न जलाकर इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में उपयोग किया जा सकता है। इससे वातावरण दूषित नहीं होगा, मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी, मिट्टी में सूक्ष्म जीवी नष्ट नहीं होगें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक ....08-10-2020....पृष्ठ संख्या....02....कॉलम....5-8....

कम लागत में अधिक मुनाफा देता है मशरूम : डा. गोयल

मशरूम विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रतिभागियों से ऑनलाइन रूबरू होते वैज्ञानिक।

हिसार, 7 अक्तूबर (ब्यूरो): बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एस.पी. गोयल ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित 3 दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को कम लागत से खुम्ब उत्पादन की कई तकनीकों को लेकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण टिप्स प्रशिक्षणार्थियों के साथ सांझा किए। उन्होंने बताया कि छोटी विधि व लम्बी विधि से खुम्ब की खाद तैयार कर अधिक मुनाफा हासिल किया जा सकता है। इसके अलावा किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाऊडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे वर्तमान समय में विकसित नई प्रजातियों की जानकारी हासिल कर इस क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करें।

पराली से बनाएं कंपोस्ट खाद

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने पराली को न जलाकर इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट खाद बनाने में किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे वातावरण दूषित नहीं होगा और मिट्टी में सूक्ष्म जीवी नष्ट नही होंगे। पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है इसलिए शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..दैनिक जागरण, अमर उजाला.....

दिनांक ..08-10-2020..पृष्ठ संख्या..4, 1.....कॉलम..7-8, 4.....

छोटी व लंबी विधि से खुंब की खाद तैयार कर कमा सकते मुनाफा

हिसार : बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है, जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एसपी गोयल ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को कम लागत से खुंब उत्पादन की कई तकनीकों को लेकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण टिप्स प्रशिक्षणार्थियों के साथ सांझा किये। उन्होंने बताया कि छोटी विधि व लंबी विधि से खुंब की खाद तैयार कर अधिक मुनाफा हासिल किया जा सकता है। इसके अलावा किसान खुंब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे वर्तमान समय में विकसित नई प्रजातियों की जानकारी हासिल कर इस क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करें। (जासं)

'कम लागत में अधिक मुनाफा देता है मशरूम'

हिसार। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है, जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एसपी गोयल ने कही। वह विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने पराली को न जलाकर इसका उपयोग मशरूम के लिए कंपोस्ट बनाने में किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे वातावरण दूषित नहीं होगा और मिट्टी में सूक्ष्म जीवी नष्ट नहीं होंगे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**08.10.2020**	--	--

हकृवि में मशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण सम्पन्न

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एसपी गोयल ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को कम लागत से खुम्ब उत्पादन की कई तकनीकों को लेकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण टिप्स प्रशिक्षणार्थियों के साथ सांझा किये। उन्होंने बताया कि छोटी विधि व लम्बी विधि से खुम्ब की खाद तैयार कर अधिक मुनाफा हासिल किया जा सकता है। इसके अलावा किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे वर्तमान समय में विकसित नई प्रजातियों की जानकारी हासिल कर इस क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करें। डॉ. एस.के. सहरावत ने पराली को न जलाकर इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे वातावरण दूषित नहीं होगा और मिट्टी में सूक्ष्म जीवी नष्ट नही होंगे। पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**07.10.2020**	--	--

कम लागत में अधिक मुनाफा देता है मशरूम : डॉ. एसपी गोयल

पल पल न्यूज: हिसार, 7 अक्तूबर। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एसपी गोयल ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को कम लागत से खुम्ब उत्पादन की कई तकनीकों को लेकर चर्चा की। साथ ही उन्होने कई महत्वपूर्ण टिप्स प्रशिक्षणार्थियों के साथ सांझा किये। उन्होंने बताया कि छोटी विधि व लम्बी विधि से खुम्ब की खाद तैयार कर अधिक मुनाफा

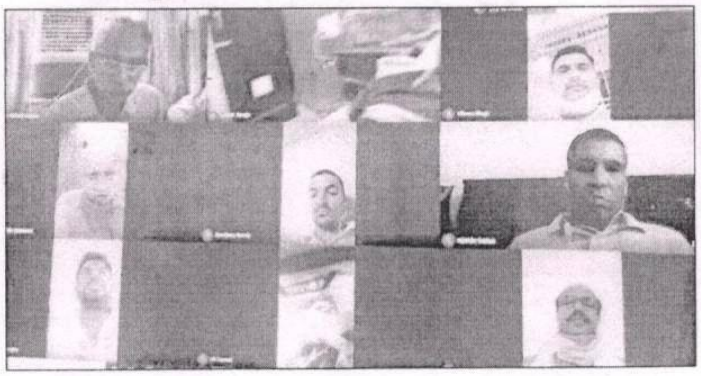

हासिल किया जा सकता है। इसके अलावा किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे वर्तमान समय में विकसित नई प्रजातियों की जानकारी हासिल कर इस क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने पराली को न जलाकर इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे वातावरण दूषित नहीं होगा और मिट्टी में सूक्ष्म जीवी नष्ट नही होंगे। पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है इसलिये शाकाहारी लोगों के लिये प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने प्रशिक्षणार्थियों को फसल अवशेष का उचित प्रबंध करने की आवश्यकता को लेकर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। डॉ. अनिल कुमार सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं अध्यक्ष पौध रोग विभाग ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि प्रशिक्षण लेने के बाद वे छोटी-छोटी यूनिट लगा कर खुम्ब उत्पादन शुरू करें और स्वावलम्बी बनें। यह खेतीहीन लोगों के लिये तथा महिलाओं के लिये भी आय का एक अच्छा स्त्रोत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**07.10.2020**	--	--

हरियाणा

मशरूम पर 3 दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण सम्पन्न

कम लागत में अधिक मुनाफा देता है मशरूम : डॉ. एसपी गोयल

टुडे न्यूज | हिसार

बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एसपी गोयल ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को कम लागत से खुम्ब उत्पादन की कई तकनीकों को लेकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण टिप्स प्रशिक्षणार्थियों के साथ सांझा किये। उन्होंने बताया कि छोटी विधि व लम्बी विधि से खुम्ब की खाद तैयार कर अधिक मुनाफा हासिल किया जा सकता है। इसके अलावा किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे वर्तमान समय में विकसित नई प्रजातियों की जानकारी हासिल कर इस क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करें।

प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रतिभागियों से ऑनलाइन रूबरू होते वैज्ञानिक।

67 प्रशिक्षणार्थी हुए शामिल

पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने सभी वक्ताओं व प्रतिभागियों का इस प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समापन पर धन्यवाद किया। इस प्रशिक्षण शिविर के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 67 प्रतिभागी शामिल हुए। इस दौरान मशरूम से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने व्याख्यानों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया व मशरूम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।

पराली से बनाएं कम्पोस्ट :

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने पराली को न जलाकर इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे वातावरण दूषित नहीं होगा और मिट्टी में सूक्ष्म जीवी नष्ट नही होंगे। पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक संतुलित आहार हैं। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है इसलिये शाकाहारी लोगों के लिये प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने प्रशिक्षणार्थियों को फसल अवशेष का उचित प्रबंध करने की आवश्यकता को लेकर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। डॉ. अनिल कुमार सेवानिवृत प्राध्यापक एवं अध्यक्ष पौध रोग विभाग ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि प्रशिक्षण लेने के बाद वे छोटी-छोटी यूनिट लगा कर खुम्ब उत्पादन शुरू करें और स्वावलम्बी बनें। यह खेतीहीन लोगों के लिये तथा महिलाओं के लिये भी आय का एक अच्छा स्त्रोत है। विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने कार्डिसेप खुम्ब उगाने की विधि को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि यह खुम्ब एक एनर्जी टॉनिक है तथा इससे कई प्रकार की दवाईयाँ बनाई जाती है। डॉ. मनमोहन ने खुम्ब का बीज तैयार करने की विधि सहित बीज खरीदने से पहले की सावधानियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। प्रगतिशील खुम्ब उत्पादक अमृत बाजवा ने भी प्रशिक्षणार्थियों के साथ अपने अनुभव सांझा किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा की आवाज	**07.10.2020**	--	--

कम लागत में अधिक मुनाफा देता है मशरूम : डॉ. एसपी गोयल

हिसार(एस.जैन)। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एसपी गोयल ने विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को कम लागत से खुम्ब उत्पादन की कई तकनीकों बारे चर्चा की। साथ ही उन्होने कई महत्वपूर्ण टिह्नस प्रशिक्षणार्थियों के साथ सांझा किये। उन्होंने बताया कि छोटी विधि व लम्बी विधि से खुम्ब की खाद तैयार कर अधिक मुनाफा हासिल किया जा सकता है। इसके अलावा किसान खुम्ब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे वर्तमान समय में विकसित नई प्रजातियों की जानकारी हासिल कर इस क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करें।

पराली से बनाएं कंपोस्टः अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने पराली को न जलाकर इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे वातावरण दूषित नहीं होगा और मिट्टी में सूक्ष्म जीवी नष्ट नही होंगे। पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है इसलिये शाकाहारी लोगों के लिये प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने प्रशिक्षणार्थियों को फसल अवशेष का उचित प्रबंध करने की आवश्यकता को लेकर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। डॉ. अनिल कुमार सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं अध्यक्ष पौध रोग विभाग ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि प्रशिक्षण लेने के बाद वे छोटी-छोटी यूनिट लगा कर खुम्ब उत्पादन शुरू करें और स्वावलम्बी बनें। यह खेतीहीन लोगों के लिये तथा महिलाओं के लिये भी आय का एक अच्छा स्त्रोत है। विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने कार्डिसेप खुम्ब उगाने की विधि को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि यह खुम्ब एक एनर्जी टॉनिक है तथा इससे कई प्रकार की दवाईयाँ बनाई जाती है। डॉ. मनमोहन ने खुम्ब का बीज तैयार करने की विधि सहित बीज खरीदने से पहले की सावधानियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। प्रगतिशील खुम्ब उत्पादक अमृत बाजवा ने भी प्रशिक्षणार्थियों के साथ अपने अनुभव सांझा किए। पौध रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह राठी ने सभी वक्ताओं व प्रतिभागियों का इस प्रशिक्षण के सफलातपूर्वक समापन पर धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण.....

दिनांक ..08-10-2020...पृष्ठ संख्या..2, 4.....कॉलम..1-2, 7-8....

एचएयू सफाई कर्मचारी यूनियन का चुनाव 14 को

हिसार | एचएयू सफाई कर्मचारी यूनियन के चुनाव 14 अक्टूबर को कराए जाएंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी दिनेश राड ने बताया कि अध्यक्ष व महासचिव पदों के लिए होने वाले चुनावों के लिए नामांकन पत्र भरने की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर रखी गई है तथा 9 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे और 9 अक्टूबर को ही दोपहर दो बजे के बाद सभी उम्मीदवारों को चुनाव निशान आवंटित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 14 अक्टूबर को सुबह नौ बजे से दोपहर 12:30 बजे तक चुनाव होंगे, जिसके तुरंत बाद मतगणना कराते हुए चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

एचएयू सफाई कर्मचारी यूनियन के चुनाव 14 अक्टूबर को

हिसार : एचएयू सफाई कर्मचारी यूनियन के चुनाव 14 अक्टूबर को कराए जाएंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी दिनेश राड़ ने बताया कि अध्यक्ष व महासचिव पदों के लिए नामांकन पत्र भरने की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर रखी गई है तथा 9 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे और 9 अक्टूबर को ही दोपहर दो बजे के बाद सभी उम्मीदवारों को चुनाव निशान आवंटित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 14 अक्टूबर को सुबह नौ बजे से दोपहर 12:30 बजे तक चुनाव होंगे, जिसके तुरंत बाद मतगणना कराते हुए चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन चुनावों को सुचारू रूप से कराने के लिए सतीश भोला, भानू प्रताप व दीपक कुमार को चुनाव अधिकारी का जिम्मा सौंपा गया है। चुनाव में कोरोना बीमारी से संबंधित सरकार द्वारा जारी किए गए सभी निर्देशों का पालन करना जरूरी होगा तथा चुनाव के दौरान किसी भी उम्मीदवार को किसी भी प्रकार की सभा, रैली व भीड़ करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। चुनाव के समय भी किसी प्रकार का स्टैंड व स्टाल नहीं लगाया जा सकेगा। (जास)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पंजाब केसरी, अमर उजाला....

दिनांक ....08-10-2020.... पृष्ठ संख्या ....2, 1.... कॉलम ....8, 1....

एच.ए.यू. सफाई कर्मचारी यूनियन के चुनाव 14 को

हिसार, 7 अक्तूबर (ब्यूरो): एच.ए.यू. सफाई कर्मचारी यूनियन के चुनाव 14 अक्तूबर को कराए जाएंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी दिनेश राड़ ने बताया कि अध्यक्ष व महासचिव पदों के लिए होने वाले इन चुनावों के लिए नामांकन पत्र भरने की अंतिम तिथि 8 अक्तूबर रखी गई है तथा 9 अक्तूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे और इसी दिन दोपहर 2 बजे के बाद सभी उम्मीदवारों को चुनाव निशान आबंटित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 14 अक्तूबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक चुनाव होंगे, जिसके तुरंत बाद मतगणना कराते हुए चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन चुनावों को सुचारू रूप से कराने के लिए सतीश भोला, भानू प्रताप व दीपक कुमार को चुनाव अधिकारी का जिम्मा सौंपा गया है।

चुनाव में कोरोना से संबंधित सरकार द्वारा जारी किए गए सभी निर्देशों का पालन करना जरूरी होगा तथा किसी भी प्रकार की सभा, रैली व भीड़ करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। चुनाव के समय भी किसी प्रकार का टैंट व स्टाल नहीं लगाया जा सकेगा।

एचएयू सफाई कर्मचारी यूनियन के चुनाव 14 अक्तूबर को

हिसार। एचएयू सफाई कर्मचारी यूनियन के चुनाव 14 अक्तूबर को कराए जाएंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी दिनेश राड़ ने बताया कि अध्यक्ष व महासचिव पदों के लिए होने वाले इन चुनावों के लिए नामांकनपत्र भरने की अंतिम तिथि 8 अक्तूबर रखी गई है और 9 अक्तूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद 9 अक्तूबर को ही दोपहर दो बजे के बाद सभी उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 14 अक्तूबर को सुबह नौ बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक चुनाव होंगे। इसके तुरंत बाद मतगणना कराते हुए चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन चुनावों को सुचारु रूप से कराने के लिए सतीश भोला, भानू प्रताप व दीपक कुमार को चुनाव अधिकारी का जिम्मा सौंपा गया है। चुनाव के दौरान किसी भी उम्मीदवार को किसी भी प्रकार की सभा, रैली व भीड़ करने पर प्रतिबंध लगाया गया है।